NEWS / फटाफट

उल्टी दस्त के बाद किशोर की मौत

नैनीताल। उल्टी दस्त के चलते 15 वर्षीय किशोर की रविवार देर रात्रि बीडी पांडे चिकित्सालय में उपचार के दौरान मौत हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार तल्ला कृष्णापुर निवासी 15 वर्षीय कन्हैया पुत्र चंदन को रविवार सुबह करीब पौने 11 बजे उल्टी दस्त की शिकायत होने पर गंभीर हालत में बीडी पांडे चिकित्सालय लाया गया जहां चिकित्सको ने उसका उपचार किया लेकिन कन्हैया की हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। रविवार देर रात्रि उसने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। बीडी पांडे चिकित्सालय के बाल रोग विशेषज्ञ डा. एमएस रावत ने कहा कि मौसम परिवर्तन के चलते इस समय बच्चों में ज्वर व उल्टी दस्त आदि की समस्या उत्पन्न हो जाती है। उन्होंने ठंड से बचने, ताजा भोजन करने, उबला पानी पीने, बाहरी खाद्य पदार्थों से बचने तथा साफ सफाई का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी है। उन्होंने कहा यदि किसी बच्चे को उल्टी दस्त की शिकायत हो तो उसे चीनी, नमक का घोल पिलाने के साथ ही जल्द से जल्द चिकित्सक के पास ले जाना आवश्यक है।

व्यापारियों की बैठक में ई वे बिल का विरोध

हल्द्वानी। प्रांतीय नगर उद्योग व्यापार मंडल की एक बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से ई वे बिल का विरोध किया गया और इसे छोटे व्यापारियों का उत्पीड़न कहा गया। अध्यक्ष राजीव अग्रवाल ने कहा ई वे बिल सिर्फ एक राज्य से दूसरे राज्य में लाने वाले माल पर लागू होना चाहिए। इस पूरी प्रक्रिया में काफी जटिलता है जिससे एसटी विभाग जानकर भी अनजान बना हुआ है। वक्ताओं ने कहा छोटे व्यापारी के लिए कंप्यूटर व लैपटॉप की व्यवस्था करना व जानकारी के अभाव में उसके ऑपरेटर की व्यवस्था करना बहुत बड़ी समस्या है। गोदाम व प्रतिष्ठान के बीच की दूरी भी एक जटिल समस्या है, ऐसा प्रतीत होता है जीएसटी विभाग छोटे व्यापारियों को समाप्त करने पर तुला है। कहा कि आज तक जीएसटी विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को जीएसटी के बारे में जानकारी नहीं है तो वे क्या व्यापारियों को जानकारी देंगे वो तो सिर्फ जीएसटी के नाम पर मीटिंग करके खानापूर्ति कर रहे हैं। बैठक में वीरेंद्र गुप्ता, गुरुचरण, राजेंद्र फर्स्वाण, सुभाष मोंगा, प्रकाश हर्बोला, देवेश अग्रवाल, पूरन पाठक, राकेश टीटू, राजेंद्र मुन्ना, पार्षद अमरजीत सेठी, प्रदीप सब्बरवाल, बलबीर आनंद, संजय वर्मा आदि थे।

खेल महाकुंभ / एथलेटिक्स में हल्द्वानी के खिलाड़ियों का रहा दबदबा

600 मीटर में हल्द्वानी के नीरज व उत्कर्षा दौड़े सबसे तेज

■ खेल महाकुंभ का चौथा दिन, एफटीआई में हुई अंडर-14 बालक-बालिका वर्ग की प्रतियोगिता

हल्द्वानी। खेल महाकुंभ के अंडर-14 बालक-बालिका एथलेटिक्स में हल्द्वानी के खिलाड़ियों का दबदबा रहा। इस दौरान फर्राटा दौड़ में हल्द्वानी के जसराज व माननी आर्य, 600 मीटर में हल्द्वानी के ही नीरज नगरकोटी व उत्कर्षा पांडे ने बाजी मारी। बालक कबड्डी में कोटाबाग व बालिका वर्ग में रामनगर ने बाजी मारी जबकि खो-खो के दो वर्ग में हल्द्वानी की टीम विजयी रही।

खेल महाकुंभ के चौथे दिन एफटीआई मैदान में अंडर-14 बालक-बालिका वर्ग की एथलेटिक्स, कबड्डी, वॉलीबाल व खो-खो प्रतियोगिता हुई। इस दौरान बालक वर्ग की 600 मीटर दौड़ में हल्द्वानी के नीरज, कोटाबाग के कुंदन बिष्ट व धारी के अमित नयाल ने क्रमशः पहला, दूसरा व तीसरा स्थान हासिल किया। फर्राटा में हल्द्वानी के ही जसराज, कोटाबाग के दीपेश रावत व रामनगर के फरमान तथा 400 मीटर में हल्द्वानी के कोविंद जैन, कोटाबाग के दीपेश व ओखलकांडा के सौरभ ऐरी क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे। गोला फेंक में रामनगर के निखिल बिष्ट, भीमताल के राजेंद्र व बेतालघाट के विजय कुमार, चक्का फेंक में रामनगर के हर्षित, हल्द्वानी के विक्रम सिंह सैनी व भीमताल के लोकेश राणा, लंबी कूद में हल्द्वानी के जितेंद्र कुमार, रामनगर के एहसान व बेतालघाट के नरेंद्र राणा, ऊंची कूद में बेतालघाट के खुशाल दरम्वाल, हल्द्वानी के अभय बिष्ट व ओखलकांडा के मनोज सिंह ने क्रमशः पहला, दूसरा व तीसरा स्थान हासिल किया।

बालिका वर्ग की 200 मीटर में हल्द्वानी की माननी आर्य, भीमताल की खुशी बिष्ट व कोटाबाग की हिमानी नेगी, 600 मीटर दौड़ में हल्द्वानी की उत्कर्षा पांडे, भीमताल की खुशी बिष्ट व धारी की पूजा बिष्ट, 100 मीटर में माननी, खुशी बिष्ट व ओखलकांडा की शोभा मेवाड़ी, 400 मीटर में उत्कर्षा, रामगढ़ की नयना जीना व भीमताल की इंदिरा, गोला फेंक में रामनगर की दीक्षा मनराल, भीमताल की दीपा राणा, ओखलकांडा की मंजू मेहता, चक्का फेंक रामनगर की अनीता मेहरा, हल्द्वानी की विद्या कोश्यारी व भीमताल की ज्योति आर्या, लंबी कूद में हल्द्वानी की नैना बर्गली, रामनगर की हिमानी जंतवाल व पूजा मनराल तथा ऊंची कूद में रामनगर की पूजा मनराल, कोटाबाग की दीक्षा नेगी व भीमताल की कुमकुम क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे। वॉलीबाल बालक वर्ग में हल्द्वानी ने पहला, रामनगर ने दूसरा व कोटाबाग ने तीसरा स्थान हासिल किया। बालिका वर्ग में हल्द्वानी, कोटाबाग व रामनगर ने क्रमशः पहला, दूसरा व तीसरा स्थान प्राप्त किया।

कबड्डी बालक में कोटाबाग, ओखलकांडा व बेतालघाट तथा बालिका वर्ग में रामनगर, कोटाबाग व हल्द्वानी ने बाजी मारी। बालक खो-खो में भीमताल ने पहला, हल्द्वानी व कोटाबाग, बालिका वर्ग में रामनगर, धारी व हल्द्वानी क्रमशः पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। वहीं स्पोर्ट्स स्टेडियम में हुई अंडर-17 बालिका वर्ग की फुटबाल प्रतियोगिता में रामनगर ने पहला, हल्द्वानी ने दूसरा व कोटाबाग ने तीसरा, बालक वर्ग में हल्द्वानी ने पहला, रामनगर ने दूसरा व कोटाबाग ने तीसरा स्थान हासिल किया। महाकुंभ का समापन 30 नवंबर को होगा।

हाईकोर्ट बार एसो. की ए टीम ने बी टीम को हराया

नैनीताल में खेली जा रही क्रिकेट प्रतियोगिता के मैच में शाट लगाता खिलाड़ी।

संवाददाता
@ dainikuttaranchaldeep.com

नैनीताल। सोमवार को हिमालया क्रिकेट एसोसिएशन के सहयोग से डीएसए मैदान में चल रही प्रथम अधिवक्ता क्रिकेट कप प्रतियोगिता में एक मुकाबला खेला गया जिसमें हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की ए टीम ने बी टीम को हराकर जीत दर्ज की। डीएसए मैदान में खेले गए मैच में हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की ए टीम ने पहले बल्लेबाजी कर 18 ओवर में 7 विकेट पर 194 रन बनाए जिसमें इमरान ने 55 तथा अक्षय ने नाबाद 40 रन बनाए। जवाब में बी टीम 18वें ओवर में 6 विकेट पर 131 रन ही बना सकी। गंगा ने 56 तथा प्रतिरूप पांडे ने 39 रन बनाए।

निर्णायक रवि प्रकाश जोशी, उमेश कांडपाल सोनी व मनीष साह, स्कोरर धीरज पांडे व मैच का आंखों देखा हाल मनोज कुमार ने सुनाया। इससे पूर्व मुख्य अतिथि हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एमसी पंत ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। इस मौके पर हिमालया क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. महेंद्र पाल, सचिव दुर्गा सिंह मेहता, कोषाध्यक्ष विजय पाल, उप सचिव मनोज मोहन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सैय्यद नदीम मून, उपाध्यक्ष नंदन कन्याल, कमलेश तिवारी आदि ने अतिथि का स्वागत किया।

कर्मियों ने तीन घंटे किया कार्य बहिष्कार किया

संवाददाता
@ dainikuttaranchaldeep.com

नैनीताल। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने पदोन्नति में शिथिलीकरण की व्यवस्था यथावत रखने एवं वेतन विसंगतियों का निराकरण किये जाने की मांग को लेकर सोमवार को भी तीन घंटे का कार्य बहिष्कार किया। इस दौरान कर्मचारियों ने जमकर नारेबाजी की। यहां डीएसबी परिसर में कर्मचारियों ने एक सभा कर कहा सरकार द्वारा अभी तक उनकी न्यायोचित मांगों का निराकरण नहीं किया गया है। परिषद के अध्यक्ष बहादुर सिंह बिष्ट एवं महामंत्री जगमोहन रौतेला ने कहा कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर बीते 11 सितम्बर से आंदोलित हैं लेकिन अभी तक मांगों पर कोई कार्रवाई नहीं हो पायी है। उन्होंने कहा मांगों का निराकरण नहीं होने पर प्रांतीय नेतृत्व के आह्वान पर 30 नवम्बर तक प्रातः 11 बजे से दो बजे तक कार्य बहिष्कार एवं एक दिसम्बर से सात दिसम्बर तक पूर्ण कार्य बहिष्कार किया जायेगा। कार्य बहिष्कार में कर्मचारी नेता पूरन सिंह बिष्ट, ललित उपाध्याय, संजय रौतेला, उमेश जोशी, संजय कनवाल, हेमंत चंदोला, नीरज लोहनी, मनोज चौधरी, प्रमोद वर्मा, असलम अली, गणेश बिष्ट, पीसी गुरूरानी, प्रकाश पाठक, मनीष कुमार, लक्ष्मण सिंह, राजेन्द्र पांडे, चन्द्र बल्लभ, खड़क सिंह दरियाल, दीपक बिष्ट, सुरेश पंत लक्ष्मी चौधरी, संगीता, रंजना, उमेश सनवाल आदि मौजूद थे।

नैनीताल डीएसबी परिसर में कार्य बहिष्कार के दौरान नारेबाजी करते कर्मचारी।

बालिका में निर्मला व बालक में गुरुकुल स्कूल ने जीता खिताब

संवाददाता
@ dainikuttaranchaldeep.com

■ अंतर्विद्यालयी बास्केटबाल चैम्पियनशिप का समापन

हल्द्वानी। इंस्प्रेशन स्कूल में पब्लिक स्कूल एसोशियेशन के तत्वावधान में तीन दिवसीय बास्केटबाल चैम्पियनशिप का समापन हुआ।

इस मौके पर पीएसए पदाधिकारियों का स्वागत विद्यालय के प्रबंधक दीपक बल्यूटिया, चेयरपर्सन डॉ. गीतिका बल्यूटिया व प्रधानाचार्य अनुराग माथुर ने पुष्प गुच्छ भेंट कर किया।

अंतिम दिन सेमीफाइनल मैच बालिका वर्ग में इंस्प्रेशन स्कूल तथा चिल्ड्रन्स एकेडमी, दूसरा मैच बीएलएम और निर्मला के मध्य खेला गया जिसमें 18-2 के साथ इंस्प्रेशन स्कूल व 20-9 अंकों से निर्मला स्कूल ने शानदार जीत हासिल कर फाइनल में प्रवेश किया। दूसरी ओर बालक वर्ग में पहला मैच इंस्प्रेशन स्कूल तथा गुरुकुल में, दूसरा मैच सेंट थेरेसा तथा एसकेएम स्कूल के मध्य खेला गया जिसमें 48-40 के साथ गुरुकुल स्कूल व 39-17 अंकों से एसकेएम स्कूल ने शानदार जीत हासिल कर फाइनल में प्रवेश किया। विद्यालय की चेयरपर्सन डॉ. गीतिका बल्यूटिया तथा प्रधानाचार्य अनुराग माथुर ने फाइनल मैच में पहुंचे प्रतिभागियों को जीत की शुभकामनाएं दी। फाइनल मैच बालिका वर्ग में इंस्प्रेशन स्कूल तथा निर्मला स्कूल में तथा बालक वर्ग में गुरुकुल तथा एसकेएम स्कूल में हुआ जिसमें बालिका वर्ग में निर्मला ने इंस्प्रेशन स्कूल को 24-3 अंकों से तथा बालक वर्ग में गुरुकुल स्कूल ने एसकेएम को 57-43 से हराकर शानदार जीत हासिल की तथा ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। रनर अप ट्रॉफी बालकों में एस0के0एम0 स्कूल को तथा बालिकाओं में इंस्प्रेशन स्कूल को दिया गया। प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बालक वर्ग में गुरूकुल स्कूल के दिनेश चैधरी तथा बालिका वर्ग में निर्मला स्कूल की हितांगी पाठक को दिया गया।

बालिकाओं में बेस्ट शूटर का अवार्ड इंस्प्रेशन स्कूल की चित्रायणी शीतल को तथा बालकों में एस0के0एम0 स्कूल के नमन शर्मा को दिया गया। मोस्ट प्रॉमिसिंग प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बालकों में गुरूकुल स्कूल के नवप्रभात सिंह को तथा बालिकाओं में की निर्मला स्कूल की महिमा चुफाल को प्रदान किया गया। एक अन्य पुरस्कार राइजिंग प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बालकों में चिल्ड्रन एकेडमी स्कूल के भावेश सुयाल तथा बालिका वर्ग में बी0एल0एम0 की मनीषा परिहार को दिया गया तथा अन्त में मोस्ट डिसिप्लेन्ड एंड प्रॉमिसिंग टीम का खिताब चिल्ड्रन एकेडमी स्कूल ने जीता। संचालन अंकुश रौतेला, प्रदीप सिंह, नीरज जोशी, अरुण बुधानी, करन शर्मा, सुदीप्त कुमार, सुमित दास, अनुज खिष्टे, पल्लवी रावत द्वारा किया गया। इस मौके पर डॉ. गीतिका बल्यूटिया, प्रधानाचार्य अनुराग माथुर, एमसी डालाकोटी, संजय बल्यूटिया, कैलाश भगत, गोपाल बिष्ट, प्रवीन रौतेला, राधा ऐठानी, समित टिक्कू, आरके शर्मा आदि उपस्थित थे।

अंत में चेयरपर्सन डॉ. गीतिका बल्यूटिया ने कहा प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य शारीरिक खेलों को बढ़ावा देना है।

वृद्धाश्रम को चारपाई व गद्दे भेंट

संवाददाता
@ dainikuttaranchaldeep.com

हल्द्वानी। आनंद वृद्धाश्रम में वृद्धों की सेवा के लिए लोगों में सेवा का भाव जग रहा है। लोगों द्वारा आश्रम के लिए आवश्यक सामान दान स्वरूप दिया जा रहा है।

सोनिया डोभाल, सुरेश हिंदवान, रयान सिद्दीकी ने मिलकर आश्रम को 2 फोल्डिंग 2 गद्दे और आटा भेंट स्वरूप दिया। आश्रम के जरिये कनक का सहयोग करते रहने का आश्वासन दिया गया।

अध्यक्ष कनक चन्द ने सभी का आभार जताया और यूंही आश्रम में खुशियां बिखेरने की गुजारिश की। मीना वार्ष्णेय ने अपने पोते माधव का जन्मदिन भी आश्रम में मनाया। माधव की माता पारुल वार्ष्णेय और उनके दूसरे बेटे आदित्य वार्ष्णेय और कनक चन्द के साथ-साथ पूरा आश्रम परिवार ने जन्मदिन धूमधाम से मनाया और अपना आशीर्वाद और शुभकामनायें दी।

प्रधानों और ग्रामीणों ने की पालिका में तालाबंदी

संवाददाता
@ dainikuttaranchaldeep.com

भवाली। राज्य सरकार द्वारा गावों को निकायों में जोड़ने का शासनादेश जारी तो कर लिया पर सरकार को अब प्रधानों और ग्रामीणों के विरोध का भी सामना करना पड़ रहा है।

पूरे राज्य में जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों द्वारा सरकार पर तानाशाही और गावों को खत्म करने का आरोप लगाकर सरकार का पुतला दहन किया जा रहा है। सोमवार को श्यामखेत, क्व्हलक्वीरा, तिरक्षाखेत, और डोब ल्वेशाल के प्रधानों और ग्रामीणों ने भवाली नगर पालिका पहुंच पालिका पर आरोप लगाया कि पालिका की 20 नवम्बर को हुई बोर्ड मीटिंग में सभासदों द्वारा गांवों को पालिका में शामिल नहीं किये जाने का प्रस्ताव पास किया गया था पर पालिका ने उस प्रस्ताव को शासन को नहीं भेजा।

नाराज चल रहे प्रधानों और ग्रामीणों ने आज पालिका में तालाबंदी कर पालिका के खिलाफ नारेबाजी कर ग्रामीणों को छलने का आरोप लगाया। कहा कि पालिका की इस गलती को गांव वालों को भुगताना पड़ रहा है। कहा पालिका ने 20 अक्टूबर 2015 में शासन को सीमा विस्तार का प्रस्ताव तो जल्द भेज दिया था पर पालिका बोर्ड में गावों को पालिका में शामिल नहीं करने के प्रस्ताव को शासन को न भेज धोखा किया है। पालिकाध्यक्ष नीमा बिष्ट ने बताया की जल्द प्रस्ताव शासन को भेज दिया जायेगा। तालाबंदी करने वालों में संजय जोशी, नवीन सिंह क्वीरा, मुन्नी बिष्ट, हेमा आर्या, संजू आर्या, कमलेश बिष्ट, सुनील प्रकाश आर्य, लवेन्द्र क्वीरा, सुजान सिंह रजवार समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

झील के बाद माल रोड में लगे वृक्ष पर्यटकों के लिए मुख्य आकर्षण

पतझड़ से बेनूर हुआ नैनीताल माल रोड का अफगानी चिनार

चन्द्रेक बिष्ट
@ dainikuttaranchaldeep.com

नैनीताल। हिल स्टेशन नैनीताल में प्रवेश करते ही जब पर्यटक नैनी झील को देखता है तो वह समझ भी नहीं पाता कि पहाड़ की चोटी में ऐसी सुन्दर झील भी हो सकती है। जब वह माल रोड में प्रवेश करता है तो एक झबरेले सुन्दर पेड़ को देख मंत्रमुग्ध हो जाता है। यह सुन्दर पेड़ अफगानी चिनार है। नैनीताल के माल रोड सहित राजभवन क्षेत्र व सूखाताल क्षेत्र में लगे यह विशालकाय पेड़ पतझड़ के कारण इन दिनों बेनूर हो गये हैं। इन पेड़ों का नैनीताल में पाये जाने का भी दिलचस्प इतिहास है। नैनीताल में अब यहां वन विभाग की नर्सरियों से एक साल से 25 साल तक के पेड़ लगाये गये है। लेकिन यहां 150 वर्ष से अधिक उम्र के वृक्ष अफगानिस्तान मूल के हैं। मुगल शासक जहांगीर की पत्नी नूरजहां ने सबसे पहले अफगान से लाकर कश्मीर में इसके पौधे रोपे फिर अंग्रेज इसे नैनीताल व भारत के हिल स्टेशनों में लाये। आज यह वृक्ष नैनीताल की शान बने हुए हैं।

नैनीताल माल रोड में इन दिनों पतझड़ के कारण आकर्षणहीन हुआ चिनार।

नैनीताल में लगाये गये चिनार के पुराने वृक्षों की संख्या नगण्य है। जबकि नये वृक्ष अभी बहुत छोटी अवस्था में है। इतिहासकारों के मुताबिक प्रकृति प्रेमी जहांगीर ने अपने शासनकाल में कश्मीर में कई बगीचों की स्थापना की थी। इसी दौरान मुगल शासक की पत्नी नूरजहां ने अफगानिस्तान से चिनार के पौंधों को मंगाकर कश्मीर में रोपे। कश्मीर में चिनार बहुतायत पाया जाता है। चिनार मूल रूप से यूनान, बालकन, ईरान आदि देशों का वृक्ष है। अंग्रेजों ने भारत में शासन किया तो उन्होंने 1890 के दौरान कश्मीर से चिनार लाकर नैनीताल, शिमला व अन्य हिल स्टेशनों में रोपे। ऐवन्यू ट्री के नाम से मशहूर चिनार झबरैले होने के साथ ही यह छायादार व अत्यधिक सुन्दर भी होते हैं। अपनी खूबसूरती के कारण यह नैनीताल आने वाले पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र होते हैं। इन वृक्षों को नदी किनारों, बर्फबारी वाले स्थानों में सरसब्ज होते हुए देखा गया है। यह चौड़ी पत्ती वाले वनों में भी पनप सकता है। इसका काष्ठ फर्नीचर बनाने के उपयोग में लाया जाता है। कुमाऊं मंडल में इसके विशाल वृक्ष नैनीताल में पाया गया है। चिनार की सुन्दरता उसके रंग बदलते पत्तियों को लेकर भी है। चिनार में नवम्बर से दिसम्बर तक पतझड़ होता है। इस दौरान इसकी पत्तियां गिर जाती हैं। माल रोड में श्रृंखलाबद्ध लगे इन वृक्षों में जब पतझड़ होता है तो माल रोड व चिनार के पेड़ बेनूर दिखाई देते हैं। फरवरी से मार्च तक इसमें पत्तियां आनी शुरू हो जाती हैं। अप्रैल के बाद तो यह वृक्ष पत्तियों से लकदक हो उठता है। इसकी खूबसूरती देखते ही बनती है। तिकोने आकार की पत्तियां कई रंग बदलती है। हरी, धानी, गहरी हरी व बैंगनी रंग बदलते रहते है। गर्मियों में इसकी छांव में बैठने का आनंद ही कुछ और है।

■ अफगानिस्तान से कश्मीर फिर नैनीताल पहुंचा खूबसूरत वृक्ष

जहांगीर ने अपने शासनकाल में कश्मीर में कई बगीचों की स्थापना की थी। इसी दौरान मुगल शासक की पत्नी नूरजहां ने अफगानिस्तान से चिनार के पौंधों को मंगाकर कश्मीर में रोपे। कश्मीर में चिनार बहुतायत पाया जाता है। जब अंग्रेजों ने भारत में शासन किया तो उन्होंने 1890 के दौरान कश्मीर से चिनार लाकर नैनीताल, शिमला व अन्य हिल स्टेशनों में रोपे। ऐवन्यू ट्री के नाम से मशहूर चिनार झबरेले होने के साथ ही यह छायादार व अत्यधिक सुन्दर भी होते है। अकबरनामा में चिनार का वृक्ष कश्मीर में होने का जिक्र है। लेकिन नूरजहां द्वारा चिनार के वृक्ष अफगानिस्तान से लाकर कश्मीर में रोपे जाने के प्रमाण भी है।

प्रो. अजय रावत, इतिहासविद् नैनीताल।